ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-2* May- 2021
Anthology : The Research

विश्व चेतना की जागरूकता में गांधी दर्शन

Gandhi Philosophy in Awareness of World Consciousness

Paper Submission: 03/05/2021, Date of Acceptance: 17/05/2021, Date of Publication: 25/05/202

प्रीति बाला तिवारी
सहायक प्राध्यापक,
शिक्षा विभाग,
राजीव एकेडमी फार
टेक्नालाजी एण्ड मैनेजमेंट,
मथुरा, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

विश्व चेतना की जागरूकता में गांधीवादी विचारधारा के दो आधारभूत सिद्धांत थे। सत्य, अहिंसा विश्व के लिए उनका संदेश था जहां सत्य है वहां ईश्वर व नैतिकता इसका आधार है। विश्व मानव समाज के लिए अहिंसक मानव होना बहुत जरूरी है क्योंकि अहिंसा का अर्थ होता है प्रेम व उतारता की पराकाष्ठा।

उनके अनुसार– विश्व अहिंसक मानव किसी दूसरे को कभी भी मानसिक व शारीरिक पीड़ा नहीं पहुंचाता है। विश्व चेतना की जागरूकता में उन्होंने सर्वोदय, ट्रस्टीशिप, सत्याग्रह विचारधारा को ही अपना कर विश्व मानव को जागरूक करने में अपना संपूर्ण योगदान दिया। सत्य, अहिंसा के आदर्श गांधी जी ने संपूर्ण दर्शन को मानव जाति के लिए अत्यंत प्रसांगिक बताया है। गांधी जी की शिक्षाएं विश्व में आज और अधिक प्रसांगिक हो गई हैं जबकि आज मानव अत्यधिक लालची व्यापक स्तर पर हिंसात्मक वा भागदौड़ भरी जिंदगी का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका में मार्टिन लूथर, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला, म्यांमार में आंग सान सू जैसे लोगों के नेतृत्व में उत्पीड़ित समाज के लोगों को न्याय दिलाने हेतु गांधी विचारधारा को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। जो कि विश्व पटल पर विश्व चेतना की जागरूकता की घटनाओं का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

वर्तमान समय में आज हमारा राष्ट्र, समाज विश्वशांति, विश्व युद्ध भविष्य अध्यात्मा व भौतिकवाद, लोकतंत्र व अधिनायकवाद के बीच एक बड़ा युद्ध चल रहा है। इन बड़े युद्धों को लड़ने के लिए आज वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति को गांधी दर्शन के सिद्धांतों को अपनाना जरूरी हो गया है। गांधी जी ने विश्व मानव बाद को एक सिद्धांत व अमूर्ता के रूप में परिभाषित न करके प्रयोगवादी संस्था के रूप में व्यक्त किया। इस मानव चेतना की जागरूकता में मानव का मानव के प्रति, ईश्वर के प्रति अनंत, अतुल अपरिमित प्रतिबद्धता निहित है। उन्होंने कहा है कि हम विश्व मानव हैं उन्होंने हिंद स्वराज पुस्तक में लिखा है कि सभी मानव धर्म एक ही जगह पर पहुंचने के लिए अलग–अलग रास्ते हैं आज जो हमारे चारों ओर घट रहा है वह गांधी जी के सिद्धांतों की उपेक्षा और गैर सिद्धांतों का सिंहासन पर बिठाना है।

Gandhian ideology had two fundamental principles in awareness of world consciousness. Truth, non-violence was his message to the world, where truth is there, God and morality are its basis. Being a non-violent human is very important for the world human society because non-violence means the culmination of love and descent. According to him, the world non-violent human being never causes mental and physical suffering to anyone. In the awareness of world consciousness, he made his full contribution in making the world human aware by adopting Sarvodaya, Trusteeship, Satyagraha ideology. Truth, the ideal of non-violence Gandhiji has described the entire philosophy as very relevant to mankind. Gandhiji's teachings have become more relevant in the world today, whereas today human beings are trying to find solutions to extreme, greedy, violent and violent life on a large scale. Gandhi ideology has been successfully implemented to provide justice to the people of oppressed society led by people like Martin Luther in America, Nelson Mandela in South Africa, Aung San Suu in Myanmar. Which is a direct example of the awareness of world consciousness on the world stage? Today, there is a big war going on between our nation, society, world peace, world war, future ideology and materialism, democracy and totalitarianism. In order to fight these big wars, today it is necessary for every person to adopt the principles of Gandhi philosophy. Gandhiji, instead of defining the world human society as a principle and immortality, expressed it as an experimental institution. In the awareness of this human consciousness, there is an infinite, infinitely infinite commitment of man towards God, towards God. He has said that we are world human. He has written in the book Hind Swaraj that all human religions are different ways to reach the same place. Today what is happening around us is the neglect of Gandhi's principles and non-principles. To sit on the throne.

मुख्य शब्द : विश्व चेतना, जागरूकता, विश्व मानव सार्वभौमिक सहयोग, गांधी सिद्धांत ।
World Consciousness, Awareness, World Human Universal Cooperation, Gandhi Principle

प्रस्तावना

गांधीवादी विचारधारा महात्मा गांधी द्वारा बनाई गई व विकसित की गई। उस विश्वा समाज पर आधारित धार्मिक व सामाजिक विचारों का समूह है जो सार्वभौमिक, नैतिक व धार्मिक सिद्धांतों का पालन करता है। इस चेतना की जागरूकता में गांधी दर्शन से कई देश इसके प्रतीक है। इनमें गांधी जी ने स्पष्ट किया था की विश्व चेतना लाने के लिए आध्यात्मिक ,नैतिक ,राजनैतिक आर्थिक ,सामाजिक ,व्यक्तिगत ,सामूहिक आदि सिद्धांतों का विकास करना होगा ।अपने विचारों को विश्व चेतना की जागरूकता के लिए गांधी जी ने उन सिद्धांतों का विकास किया। गांधीजी आदर्शवाद, व्यावहारिक आदर्शवाद पर जोर देते थे तथा इसके साथ–साथ उन्होंने विश्व समाज को संदेश दिया कि सत्य अहिंसा के सिद्धांतों को अपनाकर देश को बदला जा सकता है। इस विचारधारा के लिए उन्होंने विभिन्न स्रोतों जैसे भगवत गीता, जैन धर्म बौद्ध धर्म ,गोपाल कृष्ण गोखले आदि से अपने विकसित किए।

हम विश्व मानव हैं किसी देश विशेष जाति या नस्ल के बंदी नहीं किसी संप्रदाय धर्म विशेष के आग्रही नहीं विधाता ने प्रत्येक मानव को वह शक्ति दी है कि वो जो चाहे वह कर सकता ळें गांधीजी ने विश्व मानवतावाद को एक सिद्धांत के रूप में परिभाषित ना करके प्रयोगवादी संकल्पना व आस्था के रूप में व्यक्त किया है। इस समग्रता में जहां गांधी जी की ईश्वर के प्रति अनंत ,अतुल अपरमित, प्रतिबद्ध भक्ति है वही उनमें व्यक्ति ,धर्म एवं ईश्वर की भी भक्ति निहित है जो परिवर्तन योग नहीं है।

इस वैचारिक दृढ़ता के कारण ही गांधी जी ईश्वर एवं सत्य से विलग व्यक्ति की अस्मिता को स्वीकृति नहीं देते थे। गांधी जी ने विश्व चेतना की जागरूकता के लिए अपने दर्शन को सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक विचारो से संग्रहीत किया है।

परमेश्वर, सत्य ,अहिंसा अस्तेय एवं अस्वाद, अपरिग्रह, अभय, स्वदेश भावना, कायिक श्रम निवारण, नम्रता व्रत प्रतिज्ञा, उपासना, प्रार्थना, उपवास व धर्म को व्यक्ति के स्वभाव के सभी सद्गुण माने जिसकी परिणति न्याय स्थापना में सहायक होती है।

यह सारी सृष्टि एक देवी अनुशासन पर चलती है। जिस प्रकार सूर्य –चंद्रमा आकाश, पर्वत, समुद्र चतुर्दिक दृष्टिमान नक्षत्र एक अनुशासन में चलकर अपनी–अपनी मर्यादा पर कायम रहते हैं। वैसी ही इनको भी अपने सभी काम नियम पूर्वक अनुशासन में रहकर करने चाहिए। सत्य, अहिंसा व्यक्ति का आभूषण है जहां अहिंसा है वहीं धीरज है।अच्छे बुरे का ज्ञान, आत्मा–त्याग की भावना होती है।

तप या तपस्या के बिना अपने लक्ष्य को पाना असंभव है। सही मानव वही है जो विनम्र सेवाभावी, परोपकारी कार्य को तत्पर करने वाला हो। गांधीजी जिंदगी को नियमितता के साथ जोड़कर उसे सही मायने में जीवन कहते थे। इससे जीवन स्वस्थ और चरित्रवान बन जाता है। महात्मा गांधी ने मानवता के लिए विश्व चेतना जागरूकता लाने के लिए व्यक्ति के जीवन में प्रत्येक पहलू पर अपने विचार व्यक्त किए हैं ।वर्तमान भारतीय शिक्षा नैतिक, धार्मिक व आध्यात्मिक ,मान्यताओं पर आधारित है। व्यक्ति में शिक्षा के द्वारा स्वालंबन का गुण होना आवश्यक है। गांधीजी जीवन के किसी पक्ष तक अपने विचार सीमित नहीं रखते थे। वे व्यक्ति के सर्वागीण विकास को शिक्षा का उद्देश्य मानते थे। उनके अनुसार शिक्षा द्वारा शरीर, मन तथा आत्मा सभी का सर्वोत्तम विकास है। उनके विचारों से विश्व मानव पर गहरा प्रभाव पड़ा गांधीजी के जीवन का लक्ष्य केवल विश्व चेतना में बंधुत्व की स्थापना करना ही नहीं उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक सुधार व समाज व राष्ट्र ,मानवीय मूल्यों एवं मानवीय मूल्यों से ओतप्रोत करने में व्यतीत हुआ। गांधीजी के शिक्षा बाद का मूलाधार शिक्षा में सुधार लाना है। उनके अनुसार व्यक्ति का सुधार कर उसको समय अनुसार मानवीय बनाया जा सकता है अतः मानवतावादी विश्व समाज के निर्माण की भी गांधी जी ने स्वार्थ ,लाभ ,अर्थ पारिवारिक एवं आकांक्षाओं को मान लेना गाांधी जी के विचारों की आलोचना है।

गांधी व्यक्ति के सभी प्रयासों से प्राप्त उपलब्धियों को पर हित के लिए त्यागने का संदेश देते थे ।गांधी जी के इस विचार को दर्शाता है कि वह मानव को महामानव बनाने के लिए शपथपत्र कर्तव्यनिष्ठ रहे। गांधीजी के समस्त विचार धार्मिकता तथा नैतिकता से प्रमाणित है ।वो मानव समाज को समग्रता में देखते थे समाज की समस्याओं का भी गांधी जी ने गहराई से अध्ययन किया। मानव को शुद्ध श्री स्वरूप प्रदान करने के लिए बापू ने समाज को चेतना में लाने के लिए उनके लिए सार्वभौमिक – सर्वकालिक विचारों की संरचना की। सत्य ,अहिंसा ,परमेश्वर ,अपरिग्रह, अभय उनका विश्वास था कि सब मिलकर मानवीय कृतियों को अपनाएं तथा उनको उनके अस्तित्व को हमेशा बनाए रखें बापू का विचार था कि वही देश स्वतंत्र है जो स्वाबलंबी है। स्वाबलंबन ही अच्छे समाज– राष्ट्र की कुंजी है ।गांधीजी ने मानवतावाद को व्यवहारिकता प्रदान कर उन्हें अपनी शिक्षकों द्वारा प्रसांगिक बनाया ।उन्होंने भारत को परतंत्रता से मुक्त कराया उनके विचारों को अपनाकर पूरा राष्ट्र उनका अनुयायी बन गया।

आज गांधी विचार दर्शन संपूर्ण विश्व के लिए आवश्यक हो गया है। गांधी दर्शन एक जीवन नजरिया है ।उन के दर्शन की प्रसंगिकता व उपयोगिता इस नई सदी में एकमात्र रोशनी है। इस दर्शन की जरूरत विश्व के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनिवार्य हो गई है। पश्चिमी सभ्यता के लिए विद्वानों ने जिस तरह गांधी दर्शन को व्याख्या की है उससे यह ज्ञात होता है कि गांधी जी के विचार दर्शन चेतना के लिए एक अभिन्न अंग है उनके विचारों की प्रसंगिकता बदलते हुए विश्व के नए परिदृश्य में एक नए विचारों का चेहरा दिखाती है उसे बढ़ते हुए उपभोक्तावादी मानवीय दर्शनवा चिंतन की नई शताब्दी नए इतिहास दर्शन से जन्म जन्म देती है। नई दुनिया में

महात्मा गांधी के दर्शन का रास्ता ही आखिरी रास्ता है जिस पर चलकर आदमी नई शांतिपूर्वक सुंदर दुनिया की कल्पना कर सकते हैं।

भारत जैसे किसान मजदूर व गरीबी के आधार वाले विकासशील देश के लिए अपने अस्तित्व की लड़ाई में गांधी दर्शन को शिक्षा ही आखरी रास्ता है। देश जिस के रास्ते से एक नए भारत के निर्माण में हम उनके साथ मानवतावादी विचारों को देख सकते हैं। गांधी दर्शन समाज व राष्ट्र को एक नया रास्ता दिखा रहा है विश्व को वर्तमान दिशा में अभी कोई नई चेतना का दीपक जला सकता है। वह गांधी दर्शन व उनके विचारों की उपेक्षा व प्रसंगिकता गांधी दर्शन ने समूचे विश्व में अपनी पहचान बना ली है। उनके विचारों को विश्व के अन्य देशों में भी अब देश भी अपना रहे हैं। भारतीय उपमहाद्वीप तथा अन्य विकासशील देशों के साथ–साथ विश्व के अन्य विकसित देश भी गांधी दर्शन बाद में भ्रमण के विचारों की प्रधानता दे रहे हैं। उनके विचारों ने विश्वव्यापी मानवतावादी चेतना को जागरूक करने के लिए अलग जनहित में जागृत किया है उनका संपूर्ण दर्शन विज्ञान की नई सदी में उपयोगी हो रहा है ।

आतंकवाद में गांधी चिंतन जीवन के सौंदर्य को एक नए भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है आदमी को में तथा अन्य उपयोग में उपयोगी शिक्षा प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का मानवतावादी दर्शन एवं वर्तमान कालीन मानवतावादी शिक्षा की जागरूकता में गांधी दर्शन का अध्ययन व मानव चेतना से संबंधित विचारधारा का चिंतन बोध मानव रूपी विचारधारा का आधार है। गांधी एक व्यक्ति का नहीं एक मानव विश्व चेतना का अक्षय प्रभाव है ।महात्मा जी का संपूर्ण विचारधारा मानव पर आधारित है ।आज जितना भी जागरूकता में गांधी शिक्षा के कई दिन हो रहे हैं सच्चाई तो यह है कि आज विश्व मानवता वादी शैक्षिक विचार उधर हो रहे हैं विश्व को आज उनके दर्शन की आवश्यकता है प्रत्येक व्यक्ति मानवतावादी है भारतीय चिंतन बोध शिक्षा आजादी के संघर्ष में गांधीजी का नए सामाजिक आयाम दिए हुए हैं उन्होंने जागरूकता के लिए अपनों को याद से बचाने की शिक्षा से शिक्षित किया है उन्होंने अपने मानवीय चेतना में अपने विचारों को व्यक्त किया है

महात्मा गांधी के विचार आदर्शवादी सिद्धांतों के विश्व मानवीय समाजसेवी तथा आध्यात्मिक सिद्धांतों पर आधारित हैं गांधीजी ने मानव को अपने विचारों से कई प्रकार की शिक्षा दी है उनकी शिक्षा का स्वरूप प्रतिवादी आदर्शवादी उपयोगिता वादी तथा मानवतावादी था वह भारतीय संस्कृति तथा परंपराओं के महान शिक्षा शास्त्री थे उनके शैक्षिक विचार मात्र दार्शनिक विचार चिंता तथा धार्मिक मीमांसा तक ही सीमित नहीं थे बल्कि वह दार्शनिक विचारक अथवा धर्म मीमांसा से बढ़कर अपने युग के महान शिक्षा शास्त्री तथा विश्व को चेतन स्वरूप बनाने में गांधी जी ने समाज सुधार शहंशाह के लिए महान कार्य किए उन्होंने विश्व को जागरूक करने के लिए सामाजिक आर्थिक व नैतिक शिक्षा से ओतप्रोत किया गांधीजी के शैक्षिक तथा विश्व मानवता के लिए जो शिक्षा का जो शैक्षिक विचार आज वर्तमान में हो रहे गांधी जी की लालसा थी कि विश्व का प्रत्येक व्यक्ति शिक्षित हो व्यक्ति की आवश्यक आवश्यकता है रोटी कपड़ा और मकान की भांति शिक्षा शिक्षा भी मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता हो उनके अनुसार जो शिक्षा चित्त की शुद्धि ना कर सके निर्भय का साधन बना सके वह स्वतंत्र रहने का हौसला नहीं है गांधी जी का समस्त दर्शन मानवतावादी दर्शन समग्र रूप से मानवता का विकास है आज गांधीजी के विचार 21वीं सदी के विचार हैं गांधी जी का विष मानवतावादी दर्शन अवधारणा समस्त सामाजिक राजनीतिक आर्थिक व शैक्षिक विचारधारा रूपी सौरमंडल में सूर्य की तरह केंद्र बिंदु है इनके दर्शन से प्रेरित होकर ही आज वर्तमान समय में मानव मानवतावादी दर्शन को अपना रहा है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का मानवतावादी दर्शन क्षेत्रों का वैचारिक दर्शन आज विश्व को जागरूकता प्रदान कर रहा है सदाचार शहंशाह स्वाध्याय बड़ों के प्रति आदर भाव दया क्षमा आदि इनके दर्शन की पुष्पित और पल्लवित शाखाएं हैं जो कि भारतीय शिक्षा माध्यमिक शिक्षा मानवीय जागरूकता शिक्षा के लिए आवश्यक है उनके विचार मानव को वास्तव में जीवन जीने की कला सिखाते हैं नई सदी के इस ग्लोबल विश्व में आजादी व क्षमता के मानवीय आधार बदल रहे हैं।

महात्मा जी का विचार था कि व्यस्तता वही देश स्वतंत्र है जो आर्थिक रूप से स्वावलंबी है स्वाबलंबन ही स्वराज की कुंजी है भोजन वस्त्र व अनावश्यक दैनिक उपयोग की वस्तुओं के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहना गलत है असहयोग आंदोलन के समय विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार उनकी होली जिससे भारतीय बेकार हाथों को रोजगार मिला कृषि पशुपालन खादी ग्राम उद्योग व स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर स्वराज की कल्पना को सारगर्भित किया उनके शिक्षा दर्शन से देश स्वतंत्र हुआ उनके स्वावलंबी आंदोलन स्वराज आंदोलन का प्रमुख अंग बन गया स्वदेशी वस्तु स्वदेशी भाषा स्वदेशी शिक्षा स्वदेशी संस्कृति आदि वैचारिक सिद्धांतों ने देश को आजादी दिलाई गांधी दर्शन जो आज प्रत्येक मानव के लिए जरूरी हो गया उनके विचारों व सिद्धांतों के बिना मानव जीवन अधूरा है उनके प्रत्येक विचार व सिद्धांतों का विशेष महत्व उन्होंने अपने महत्वपूर्ण सिद्धांतों व विचारों को मानव के लिए समर्पित किया है जिससे वह सोमानी जीवन आत्मनिर्भर जीवन जीवन जीने की कला सीखे बापूजी ने स्वदेशी वस्तु आदि की शिक्षा देकर समाज में गांधीजी शैक्षिक मानव सिद्धांत मानव धर्म सेवा सेवा साधना की उपयोगिता के क्षेत्र में शैक्षणिक योग्यता व आवश्यकता सर्व धर्म समभाव की शिक्षा समस्त प्राणी जगत व पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा आज गांधी विचार दर्शन संपूर्ण विश्व के लिए आवश्यक हो गया है गांधी दर्शन एक जीवन नजरिया है उनके दर्शन की प्रासंगिकता व उपयोगिता हम नई सदी में एकमात्र रोशनी है इस दर्शन की आवश्यकता आज विश्व के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अनवार हो गई है पश्चिमी सभ्यता के विद्वानों ने जिस तरह गांधी भक्ति गांधी दर्शन को व्याख्या की है उससे है ज्ञात होता है कि उनके विचारों की प्रसंगिकता चलते हुए

विश्व के परिदृश्य में एक नए विचारों का चेहरा दिखाती है।

इस बैठे हुए उपयोगिता वादी मानवी दर्शनवा चिंतन व चिंतन की नई शताब्दी नए इतिहास दर्शन को जन्म दे रहे हैं अब उपयोगिता बाजार तकनीक व विज्ञान व संचार क्रांति भी इस नई दुनिया में महात्मा गांधी के दर्शन का रास्ता ही आखिरी रास्ता है जिस पर चलकर हम एक नई शांतिपूर्वक सुंदर दुनिया को कल्पना कर सकते हैं।

भारत जैसे किसान मजदूर व गरीबी के आधार वाले विकासशील देश के लिए अपने अस्तित्व की लड़ाई में गांधी दर्शन की शिक्षा ही आखिरी रास्ता है जिस के रास्ते से एक नए भारत के निर्माण में हम उनके शैक्षिक व मानवतावादी विचारों को देख सकते हैं गांधी दर्शन समाज व राष्ट्र को एक नया रास्ता दिखा रहा है विश्व की वर्तमान दशा में अभी कोई नई चेतना का दीपक जला सकता है तो आए गांधी दर्शन उनके विचारों की उपयोगिता वापस आएंगे तब गांधी दर्शन ने समूचे विश्व में अपनी पहचान बना ली है इन के विचारों को विश्व के अन्य देश भी अपना रहे हैं भारतीय उपमहाद्वीप तथा अन्य विकासशील देशों के साथ–साथ विश्व के अन्य पाश्चात्य देशों में भी गांधी दर्शन बाबा एवं उनके विचारों को प्रधानता दे रहे हैं उनके विचारों ने विश्ववपी मानवतावादी चेतना को उजागर करने का अलग जनहित में जागृत किया है उनके संपूर्ण दर्शन उनका संपूर्ण दर्शन मानव चित्र पर आधारित है उनका दर्शन विज्ञान की नई सदी में उपयोगी हो रहा है उसके बाद और वह आतंकवाद में गांधी चिंतन जीवन के का सौंदर्य बोध को एक नई भविष्य की ओर अग्रसर कर रहा है तथा आधुनिक दृष्टि आधुनिक युग में उपयोगी शिक्षा प्रदान कर रहा है।

भारतीय राजनीतिक सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था के संदर्भ मैं उनकी विचारधारा का महत्वपूर्ण स्थान है तो उनके दार्शनिक नैतिक ऐतिहासिक किया है वे आध्यात्मिक पक्ष में विश्वास करते थे उन्होंने अपने शिक्षा दर्शन को बालक तथा प्राणी के शरीर मस्तिष्क तथा आत्मा का पूर्ण विकास उनकी दृष्टि में शिक्षा के उद्देश्य भौतिक ना होकर आदत में होने चाहिए उन्होंने शैक्षिक विचारों को व्यवहारिक रूप प्रदान किया गांधीजी का मानना था कि शिक्षा का कोई एक उद्देश्य नहीं हो सकता उन्होंने जीवन के सभी पक्षियों को ध्यान में रखा और शिक्षा को उसी के अनुरूप कई दृष्टिकोण में देखा गांधी जी ने शिक्षा के उद्देश्यों को व्यक्ति के संपूर्ण जीवन को बहुमूल्य बनाने और उसको अपने जीवन में प्रयोग करने के उद्देश्य से वर्णित किया है गांधी जी ने पहली सीढ़ी की शिक्षा का उद्देश बालक को बालक को जीवन वालों को जीवन चलाने बनाना चरित्र का निर्माण व विकास तथा उसे अपने व्यवहार तथा संस्कृति अपनाने का प्रशिक्षण इसके साथ ही बालक की शारीरिक मानसिक तथा आध्यात्मिक शक्तियों का विकास करके उसके व्यक्तित्व का सामंजस्य पूर्ण विकास करना उन्होंने भी शादी की मनुष्य को सभी प्रकार की अंतिम क्षमता से युक्त करके उसकी आत्मा को उच्चतर जीवन की ओर ले जाना इसके साथ ही गांधी जी ने मानव जीवन के लिए कुछ उपयोगी सिद्धांत व उद्देश्यों को शिक्षा में सम्मिलित कियासिद्धांत भारतीय संस्कृति परंपराओं तथा परिस्थितियों के अनुरूप है गांधीजी के मानवीय सिद्धांत का उद्देश्य समाज की आवश्यकता अनुसार राज किए गए हैं उनके मानव जीवन के सभी पक्षों का ध्यान राष्ट्रपिता मा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का संपूर्ण जीवन दर्शन मानवतावादी विचारधारा पर आधारित है वर्तमान समय में गांधी दर्शन की अवधारणा के विचार उदय हो रहे हैं आज समाज भविष्य को उनक दर्शन की आवश्यकता है विश्व का प्रत्येक व्यक्ति मानवतावादी है आजादी के संघर्ष में गांधी के दर्शन नए शैक्षिक आया वह बदलाव की शिक्षा देता है हमारी युवा पीढ़ी को हिंसा संघर्ष आदि से बचने की मानवतावादी शिक्षा देता है गांधीजी उच्च कोटि के विचारक समाजसेवी आध्यात्मिक सिद्धांत के प्रतिपादक थे उन्होंने मानव को अपने शैक्षिक विचारों से प्रतिवादी आदर्शवादी उपयोगिता वादी तथा मानवतावादी शिक्षा का मार्गदर्शन दिया हुआ है भारतीय संस्कृति तथा परंपरा के महान शिक्षा शास्त्री देवन के शैक्षिक विचार मात्र दार्शनिक चिंतन अथवा धार्मिक मीमांसा तक ही सीमित नहीं थे वरना दार्शनिक विचारक धर्म मीमांसा से बढ़कर अपने महान शिक्षा शास्त्री थे गांधी जी ने समाज सुधार शहंशाह धर्मनिरपेक्षता अभाव छुआछूत क्षेत्रों में महान कार्य तथा विश्व को कारों का संदेश दिया जा रहा है किसी भी सम्मेलन समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार जरूर करते थे उनका मानना था कि सामाजिक आर्थिक प्रगति की है समाज की परंपराओं में सहायक व्यक्ति द्वारा ही समाज में सामंजस्य स्थापित कर सकता है जिससे समाज में सभ्यता संस्कृति धर्म आदि का विकास होता है शिक्षा के बिना मानव पत्थर के समान है जिस तरह पत्थर कलाकार के हाथ में आने पर सुंदर कलाकृति का रूप धारण करता है उसी तरह से व्यक्ति की अंतर्निहित शक्तियों का उद्भव करती करती है गांधी जी ने समाज को प्रदान किए जिससे व्यक्ति का मानसिक शारीरिक व आध्यात्मिक शक्तियों का विकास करके उसके व्यक्तित्व का उनके विचारों की समस्त पर्यावरण संरक्षण धर्म सेवा साधना प्रेम की भावना सर्वोदय शिक्षा सांप्रदायिक सौहार्द्र आदर्शवादी उपयुक्त आबादी आध्यात्मिक व मानवता मानवतावादी भावनाओं से ओतप्रोत है।

नई सदी के इस ग्लोबल विश्व में आजाद हुआ विश्व के मानवीय आधार बदल रहे हैं अहिंसा का आज समूचे विश्व को एक रास्ता दिखाया दिखा रहा है आज गांधी दर्शन संपूर्ण विश्व को एक क्रांति हथियार बन चुका है आज गांधी दर्शन एक जीवन नजरिया है गांधी दर्शन की प्रसंगिकता इस नई सदी में एकमात्र रोशनी है वर्तमान समाज में गांधी दर्शन व उनके विचारों की प्रसंगिकता आज और भी बढ़ रही है पश्चिमी सभ्यता तथा विद्वानों ने जिस तरह गांधी दर्शन की व्याख्या की है भारतीय शिक्षा ही पश्चिमी सभ्यता सभी मानव सभ्यता व संस्कारों के लिए गांधी दर्शन है उनके विचारों को अपनाया जा रहा है भारतीय संस्कृति का तो है एक अभिन्न अंग बन गया है वैज्ञानिक वैज्ञानिक आइंस्टीन तथा इतिहासकार और और और गांधी दर्शन विश्व के लिए अजूबा हो गया है और उनका दर्शन आजादी का गांधी दर्शन उनके विचारों की शिक्षा इस बदलते हुए विश्व के परिदृश्य में नए विश्व का

चेहरा दिखाती है महात्मा गांधी ने मानव दर्शन को भूमिया काल की सीमा में नहीं बांधा जा सकता गांधी जी ने समस्त प्राणी जगत के साथ अपने एक सीमा में बांधा है उनके सभी विचार विश्व में प्रकाश फैलाने में समर्थ है गांधीजी उच्च कोटि के विचारक गांधीजी के शैक्षिक विचार आधुनिक व वर्तमान कालीन शिक्षा में हो रहे हैं। गांधीजी की लालसा थी भारत का प्रत्येक व्यक्ति शिक्षित व्यक्ति हो व्यक्ति समाज में समायोजन हेतु प्रत्यक्ष रूप से परिवर्तित करने का कार्य शिक्षा द्वारा संभव है। आज हमारा देश गांधी जी के दर्शन और विचारों से ओतप्रोत है ।वह हमेशा अपने शैक्षिक भ्रमण के भाषण में मानवतावादी विचारधारा को लेकर कहा करते थे –ष्जो शिक्षा चित्त की शुद्धि निर्णय का साधन, रहने का हौसला व सामर्थ ना हो वह शिक्षा सच्ची शिक्षा नहीं है।,,

निष्कर्ष

विश्व चेतना की जागरूकता में गांधी दर्शन ने सत्य ,अहिंसा, सर्वोदय और सत्याग्रह इन्हीं चार सिद्धांतों पर गांधीवादी विचारधारा ने विश्व के प्रत्येक मानव को एक प्रसांगिक मानव बनाने का प्रयास किया ।गांधीजी ने विश्व को अपनी विचारधारा द्वारा ऐसी कार्य प्रणालियों के निर्माण का आकार दिया। सभी की आवाज को बुलंद किया जा सके। उनके लोकतंत्र में कमजोरो को उतना ही मौका दिया गया जितना ताकतवरो को ।उनके प्रयासों मे स्वैच्छिक सहयोग शांतिपूर्ण व सम्मानजनक स्थिति के आधार पर आधुनिक लोकतंत्र को अपनाया गया साथ ही सामाजिक, राजनीतिक ,धार्मिक ,सहयोगी व धार्मिक विभिन्नता पर समकालीन विश्व राजनीति में गांधी जी ने अपना संपूर्ण योगदान दिया।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *गांधी विचार /दर्शन, धर्म राजनीति अर्थनीति, रामजी सिंह पब्लिकेशन दिल्ली 1995, पृष्ठ 8*
2. *गांधी दर्शन मीमांसा, प्रकाश नारायण प्वाइटर ,पब्लिशर्स जयपुर पृष्ठ 78*
3. *गांधी सेवा संघ डेलॉग ६ 25 मार्च हरिजन सेवक लिस्ट पृष्ठ 38*
4. *महात्मा गांधी राष्ट्रीय एकता हरिदत्त शर्मा, ज्ञानदीप प्रकाशन दिल्ली 1977*
5. *गांधी विचार दर्शन धीरेंद्र मोहन दत्त ग्रंथ अकादमी पटना 1985*
6. *गांधी चिंतन आधुनिक परिप्रेक्ष्य प्रतिभा जैन हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर 7– गांधी का दर्शन व राष्ट्रवाद चिरंजी लाल पाराशर,राकेश प्रकाश दिल्ली 1969*